



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1979/कार्तिक 23, 1901

No. 10]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 14, 1979/KARTIKA 23, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारतीय प्रेस परिषद्

प्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1979

फा० सं० 25/1/79-पी० सी० आई०—प्रेस परिषद् अधिनियम, 1978 (1978 का 37) की धारा 26 के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय प्रेस परिषद् निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—इन विनियमों का नाम प्रेस परिषद् (अधिवेशनों तथा कारबार के संचालन की प्रक्रिया) विनियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में जहाँ तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों,—

(क) “सचिव” से, अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त, परिषद् का सचिव अभिप्रेत है।

(ख) “वर्ष” से कलेंडर वर्ष अभिप्रेत है।

3. परिषद् के अधिवेशन—किसी एक वर्ष में परिषद् के कम से कम चार साधारण अधिवेशन होंगे और इन अधिवेशनों की तारीख तथा स्थान यह होगा जो अध्यक्ष नियत करे।

(2) दो साधारण अधिवेशनों के बीच अन्तराल, सामान्यतः चार मास से अधिक का नहीं होगा।

4. अधिवेशनों के लिए गणपूर्ति—परिषद् के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति 11 से होगी।

परन्तु गणपूर्ति में कमी के कारण एक बार स्थगित अधिवेशन के संबन्ध में किसी गणपूर्ति की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। स्थगित अधिवेशन की तारीख तथा समय, अध्यक्ष, प्रत्येक सत्र को सात दिन की सूचना देकर नियत करेगा।

5. अधिवेशन बुलाने तथा अधिवेशन के लिए सूचना देने की शक्ति (1) उपनियम (2) में अपेक्षित रूप से सूचना देने के साथ अध्यक्ष, परिषद् का अधिवेशन किसी भी समय बुला सकता है।

(2) अधिवेशन की सूचना, जिस पर सचिव और उसकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा इस निमिप्रार्थिकृत कोई अन्य व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा, सामान्यतः प्रत्येक सत्र को अधिवेशन से 21 दिन पूर्व दी जाएगी।

(3) परिषद् के अधिवेशन की सूचना में अधिवेशन के समय और स्थान का उल्लेख किया जाएगा।

(4) सूचना साधारण तथा “डाक प्रमाणपत्र” के अधीन जारी की जाएगी और उक्त 21 दिन की गणना, डाक में सूचना डालने की तारीख से की जाएगी।

परन्तु अत्यावश्यक स्थिति में, इस प्रकार सूचना जारी किए बिना भी अध्यक्ष कोई विशेष अधिवेशन कर सकता है। अध्यक्ष विचारार्थ विधियों तथा अधिवेशन बुलाने के कारणों के बारे में अधिम रूप से सदस्यों को सूचित करेगा।

5. कोई भी कार्यवाही केवल इस आधार पर अवैध नहीं होगी कि सूचना संबन्धी अध्यापिकाओं का मक़्ती से पालन नहीं किया गया है।

6. अधिवेशनों में मामले उठाने की शक्ति—कोई सदस्य परिषद् के सम्मुख कोई मामला तभी उठाने का हकदार होगा जब वह उस बाबत सचिव को स्पष्ट रूप से दस दिन की सूचना दे चुका हो तथा ऐसा मामला परिषद् के अधिवेशन की कार्यसूची में सम्मिलित कर दिया जाएगा : परन्तु अध्यक्ष अपने विवेकानुसार किसी भी अधिवेशन में बिना सूचना दिए, ऐसा कोई मामला उठाने की अनुमति दे सकता है।

7. अध्यक्ष पर असाधारण अधिवेशन बुलाना : (1) अध्यक्ष कम से कम ग्यारह सदस्यों की अध्यक्षता पर, ऐसी अध्यक्षताओं की प्राप्ति से 15 दिन के अन्दर, परिषद् का असाधारण अधिवेशन बुलाएगा।

(2) अध्यक्षता में उन विषयों का उल्लेख होगा जिन पर विचार करने के लिए अधिवेशन बुलाया गया है और उन सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे जिन्होंने अध्यक्षता की है।

(3) यदि अध्यक्ष, विधिमन्त्र्य अध्यक्षता की प्राप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उस विषय पर विचार करने के लिए परिषद् का अधिवेशन नहीं बुलाना है जो अध्यक्षता में विनिर्दिष्ट है, तो सदस्य स्वयं अध्यक्षता करके ऐसा अधिवेशन बुला सकेंगे और विनियम में इससे पूर्व उपरिर्णित प्रक्रिया का यथासाध्य अनुसरण करेंगे :

परन्तु ऐसा कोई अधिवेशन मूल अध्यक्षता की तारीख से पन्द्रह दिन समाप्त होने से पूर्व नहीं बुलाया जाएगा।

8. अत्यावश्यक मामलों में विनिश्चय करने की अध्यक्ष की शक्ति—(1) यदि परिषद् द्वारा तुरन्त कार्यवाही की जाना आवश्यक हो जाता है तो अध्यक्ष, स्वविवेकानुसार, विनिश्चय कर सकेगा और किसी लिखित आदेश द्वारा यह अनुज्ञा दे सकेगा कि परिषद् का कारबार किया जाएगा।

(2) संबन्धित कागजात और अध्यक्ष द्वारा किया गया विनिश्चय परिषद् के अगले अधिवेशन के समक्ष पुष्टि के लिए रखे जाएंगे।

9. अधिवेशन स्थगित करने की शक्ति—परिषद् अपनी बैठक को बिना कोई पूर्व सूचना दिए दिन प्रतिदिन के लिए या किसी विशिष्ट दिन के लिए स्थगित कर सकेगी।

10. बहुमत से विनिश्चय—किसी भी मामले में विनिश्चय, बहुमत से किया जाएगा और मतों की संख्या बराबर होने की दशा में बैठक के अध्यक्ष को निर्णायक मत देने का हक होगा।

11. अधिवेशन में सदस्यों से भिन्न व्यक्तियों को बुलाने की शक्ति—अध्यक्ष परिषद् के किसी अधिवेशन में उपस्थित होने और विचार-विमर्श में भाग लेने के लिए परिषद् के किसी कर्मचारी से अध्यक्षता कर सकेगा या किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को आमन्त्रित कर सकेगा किन्तु ऐसा कर्मचारी या व्यक्ति मत देने का हकदार नहीं होगा।

12. कार्य-सूची—परिषद् के अधिवेशनों की कार्य-सूची सचिव और उसकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्ति तैयार करेगा।

13. अधिवेशन का कार्यवृत्त—प्रत्येक अधिवेशन का कार्यवृत्त सचिव या उसकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई व्यक्ति प्रामाणिक करेगा।

(2) जब तक कि अध्यक्ष अन्यथा नहीं चाहता है, तब तक किसी अधिवेशन में हुए विचार-विमर्श का शब्दशः अभिलेख रखना आवश्यक नहीं होगा।

14. पूर्वतन अधिवेशन का कार्यवृत्त—पूर्वतन अधिवेशन का कार्यवृत्त परिषद् के अगले अधिवेशन के समक्ष रखा जाएगा और यदि उस बाबत कोई आपत्तियाँ हैं तो उन पर विचार करने के पश्चात् ऐसे कार्यवृत्त को पुष्ट किया जाएगा।

15. अध्यक्ष, अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा—अध्यक्ष परिषद् के अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा और उसकी अनुपस्थिति में ऐसे अधिवेशनों की अध्यक्षता करने के लिए सदस्य अपने-अपने में से किसी एक को निर्वाचित करेंगे।

PRESS COUNCIL OF INDIA

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 14th November, 1979

F. No. 25/1/79-PCI.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of section 26 of the Press Council Act, 1978 (37 of 1978), the Press Council of India hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement.—The regulations may be called the Press Council (Procedure for Conduct of Meetings and Business) Regulations, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :—

(a) "Secretary" means the Secretary of the Council appointed under sub-section (1) of Section 11 of the Act,

(b) "Year" means the calendar year.

3. Meetings of the Council.—(1) There shall be not less than four ordinary meetings of the Council in any one year held on such dates and at such places as the Chairman may fix.

(2) The interval between any two ordinary meetings shall not normally be longer than four months.

4. Quorum at meetings.—The quorum for a meeting of the Council shall be eleven :

Provided that no such quorum shall be necessary in respect of a meeting once adjourned for lack of quorum. The date and time of the adjourned meeting shall be fixed by the Chairman with seven days' notice to every member.

5. Power to call meetings and notice of meetings.—(1) The Chairman may, at any time, call a meeting of the Council after giving notice as required in sub-regulation (2);

(2) Notice of a meeting signed by the Secretary or, in his absence, by any other person authorised in this behalf by the Chairman shall ordinarily be issued to every member at least twenty one days before the meeting.

(3) Notice of the meeting of the Council shall specify the time and place of the meeting.

(4) The notice shall generally be issued under certificate of posting and the said twenty-one days shall be counted from the date of posting.

Provided that in case of urgency and without the issue of such a notice, a special meeting may be summoned at any time by the Chairman who shall inform the members in advance of the matters for consideration and the reasons for the summoning of the meeting.

(5) No proceeding shall be invalidated merely on the ground that the requirement as to notice is not strictly complied with.

6. Power to raise matters at meetings.—A member shall be entitled to bring before the Council any matter only after having given ten clear days' notice to that effect to the Secretary and such matter shall be put on the agenda of a meeting of the Council, provided that the Chairman may in his discretion allow such matter to be raised at any meeting even without such notice.

7. Calling of extraordinary meeting on requisition.—(1) The Chairman shall, on requisition made in that behalf by not less than eleven members, call an extraordinary meeting of the Council within fifteen days of the receipt of the requisition.

(2) The requisition shall set out the business for the consideration of which the meeting is to be called and shall be signed by the members making the requisition.

(3) If the Chairman does not, within fifteen days from the date of receipt of a valid requisition, call a meeting of the Council for the consideration of the business specified in the requisition, the meeting may be called by the members making the requisition themselves, following, as nearly as may be procedure set out hereinbefore in the regulation :

Provided that no such meeting shall be held before the expiration of fifteen days from the date of the original requisition.

8. Power of the Chairman to take decisions in urgent matters.—(1) The Chairman may in his discretion, if urgent action by the Council becomes necessary, take decision and permit the business of the Council to be transacted by an order recorded in writing.

(2) The papers together with the decision taken by Chairman shall be placed before the next meeting of the Council for confirmation.

9. Power to adjourn meetings.—The Council may adjourn its sittings from day to day or to any particular day without prior notice.

10. Decision by majority.—The decision on any matter shall be by majority and in the case of equality of votes, the Chairman of the meeting shall have and exercise a casting vote.

11. Power to call to the meeting persons other than members.—The Chairman may require any employee of the Council or invite any other person or persons to attend and participate in the discussions in any meeting of the Council but such employee or person or persons shall not be entitled to vote.

12. Agenda.—The agenda for meetings of the Council shall be prepared by the Secretary or in his absence by a person authorised in this behalf by the Chairman.

13. Minutes of the meeting.—(1) The minutes of every meeting shall be recorded by the Secretary or in his absence by a person authorised in this behalf by the Chairman.

(2) Unless otherwise desired by the Chairman, it shall not be necessary to keep verbatim record of the discussion at any meeting.

14. Minutes of previous meeting.—The minutes of the previous meeting shall be placed before the next meeting of the Council and the same shall be confirmed after consideration of the objections, if any.

15. Chairman to preside over the meetings.—The Chairman shall preside over the meetings of the Council and in his absence the members shall elect one from amongst themselves to preside at the meetings.

[का. सं० 25/1/79-पी० सी० आई०].—भारतीय प्रेस परिषद् अधिनियम, 1978 (1978 का 37) की धारा 26 के खण्ड (ग) तथा उसे समर्थ बनाने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन विनियमों का नाम प्रेस परिषद् (जांच प्रक्रिया) विनियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से प्रेस परिषद् अधिनियम, 1978 (1978 का 37) अभिप्रेत है ;

(ख) "समिति" से अधिनियम की धारा 13(2) और 14(1) के अधीन परिवारों की जांच के प्रयोजन के लिए अधिनियम की धारा 8(1) के अधीन परिषद् द्वारा गठित जांच समिति अभिप्रेत है ;

(ग) "परिषद्" से अधिनियम के अधीन गठित भारतीय प्रेस परिषद् अभिप्रेत है ;

(घ) "परिवार" से अधिनियम की धारा 14(1) के अधीन परिवारों के मामले में, ऐसा कोई व्यक्ति या प्राधिकारी अभिप्रेत है जो किसी समाचारपत्र, समाचार अभिकरण, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार के संबंध में परिषद् को पत्रिवाद प्रस्तुत करता है और अन्य विषयों के संबंध में परिवारों की बात, ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो ऐसे किसी विषय के संबंध में परिषद् को पत्रिवाद प्रस्तुत करता है जिसे ग्रहण करने की और जिसकी परीक्षा करने और जिस पर अन्तः मत व्यक्त करने की, परिषद् को अधिकारिता प्राप्त है, और

(ङ) "विषय" से कोई लेख, समाचार मद, समाचार रिपोर्ट, या कोई अन्य ऐसा विषय अभिप्रेत है जो किसी भी रीति से किसी समाचारपत्र द्वारा प्रकाशित किया गया है या किसी समाचार अभिकरण द्वारा परिचित किया गया है और इसके अन्तर्गत है कोई कार्टून, चित्र, फोटोचित्र, सामग्री, या कोई विज्ञापन, जो किसी समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ है।

3. अधिनियम की धारा 14(1) के अधीन किसी समाचारपत्र, समाचार अभिकरण, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार के संबंध में पत्रिवाद की अन्तर्दस्तु—(1) यदि कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 14(1) के अधीन किसी समाचारपत्र या समाचार अभिकरण में किसी विषय के प्रकाशन या अप्रकाशन के संबंध में परिषद् को कोई पत्रिवाद करता है तो वह,—

(क) वह उन समाचारपत्र, समाचार अभिकरण, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार का नाम और पता देगा जिसके विरुद्ध पत्रिवाद किया गया है और यदि पत्रिवाद किसी समाचारपत्र में किया विषय के प्रकाशन से संबंधित है या किसी अभिकरण द्वारा पारंपरण से संबंधित है तो पत्रिवाद के साथ उस विषय की मूल कटिंग भी प्रस्तुत करेगा जिसकी बात पत्रिवाद किया गया है। साथ ही ऐसी विनिष्टियां भी देगा जो पत्रिवाद के विषयवस्तु से सुसंगत हैं ; और यदि पत्रिवाद किसी विषय के अप्रकाशन से संबंधित है तो उस विषय की मूल रूप में या उसकी प्रति प्रस्तुत करेगा जिसके अप्रकाशन की बात पत्रिवाद किया गया है ;

(ख) इस बात का कथन करेगा कि किस रीति में पत्रिवादित विषय का प्रकाशन या अप्रकाशन, अधिनियम की धारा 14 (1) के अधिनियम प्रापत्तिजनक है ;

(ग) परिषद् के समक्ष पत्रिवाद काटल करने से पूर्व, संबंधित समाचार पत्र, समाचार अभिकरण, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार का ध्यान समाचारपत्र, आदि में प्रकाशित विषय की ओर या ऐसे विषय के अप्रकाशन की ओर आकषित करेगा जो पत्रिवादी की राय में, आपत्तिजनक है और वह, यथास्थिति, समाचारपत्र, समाचार अभिकरण, सम्पादक या श्रमजीवी पत्रकार को ऐसी राय के आधार प्रस्तुत करेगा। पत्रिवादी अपने पत्रिवाद के साथ ही उस पत्र की, जो उसने समाचारपत्र, समाचार अभिकरण, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार को लिखा है, एक प्रति और यदि उसका उसे कोई उत्तर प्राप्त हुआ है तो उसकी एक प्रति भी, संलग्न करेगा, परन्तु अध्यक्ष इस गाने का स्वविवेकानुसार अधिनियम कर सकेगा ;

(घ) यदि परिवार यह है कि किसी सम्पादक से या किसी श्रमजीवी पत्रकार से किसी समाचारपत्र में किसी विषय के प्रकाशन या अप्रकाशन से भिन्न कोई व्यक्ति अवधार किया है तो, परिवारी उन तथ्यों के बारे में जो उसके मतानुसार, परिवार को न्यायोचित ठहराते हैं, स्पष्ट और उपदर्शित करेगा और ऐसे परिवार को उक्त खण्ड (ग) के उपबन्ध भी लागू होंगे।

(ङ) प्रत्येक दशा में, परिषद् के समक्ष सभी अन्य सुसंगत तथ्य रखेगा; और

(च) (i) किसी समाचारपत्र या समाचार एजेंसी के संबंध में किसी विषय के प्रकाशन या अप्रकाशन से संबंधित किसी परिवार के मामले में, परिवार, संबंधित विषय के प्रकाशन या अप्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित शर्तियों के भीतर परिषद् को प्रस्तुत किया जाएगा, यथा—

क. दैनिक, समाचार एजेंसी और साप्ताहिक—
दो मास के भीतर।

ख. अन्य सभी मामलों में—चार मास के भीतर:
परन्तु किसी पूर्वतर तारीख के सुसंगत प्रकाशन का परिवार में निवेश किया जा सकता है;

(ii) उक्त खण्ड (घ) के अधीन किसी सम्पादक या श्रमजीवी पत्रकार के विरुद्ध किसी परिवार के मामले में परिवार परिवारित अवधार के चार मास के भीतर प्रस्तुत किया जाएगा;

परन्तु यदि परिषद् का इस बाबत समाधान हो जाता है कि परिवारी ने तत्काल कार्यवाही की है, किन्तु विनियम 3(1)(च) के उपखण्ड (i) या उपखण्ड (ii) के अधीन लिखित शर्तों के भीतर परिवार फाइल करने में विफल, उक्त उपखण्ड (ग) में अधिकृत शर्तों के अनुपालन में लगे समय के कारण या किसी अन्य पर्याप्त हेतु के कारण हुआ है तो वह तत्काल माफ कर देगी और परिवार ग्रहण कर सकेगी। माफ करने की शक्ति का प्रयोग अध्यक्ष, परिषद् के अनुमोदन के अधीन रहते हुए, करेगा।

(2) परिवार, परिवार प्रस्तुत करते समय उसमें सबसे नीचे निम्न-लिखित प्रभाव की उद्घोषणा करेगा :

(i) यह कि उसके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार उसने परिषद् के समक्ष सभी सुसंगत तथ्य प्रस्तुत कर दिए हैं और परिवार में अधिकृत किसी विषय के संबंध में किसी न्यायालय में कोई कार्रवाई लम्बित नहीं है;

(ii) यह कि यदि परिषद् के समक्ष जांच लम्बित रहने के दौरान परिवार में अधिकृत कोई विषय किसी न्यायालय में चल रही किसी कार्रवाई की विषयवस्तु हो जाता है तो वह उसकी सूचना परिषद् को तुरन्त देगा।

4. परिवार वापस करना—(1) यदि परिवारी विनियम (3) की शर्तों का अनुपालन नहीं करता है तो अध्यक्ष परिवार वापस कर सकेगा और परिवारी से यह मांग कर सकेगा कि वह ऐसी शर्तों का अनुपालन करे और परिवार को ऐसे समय के भीतर, जो वह इस बाबत नियत करे, पुनः प्रस्तुत करे।

(2) परिवारी को परिवार वापस कर दिए जाने के कारण बताए जाएंगे।

5. सूचना जारी करना—(1) यथासाध्य शीघ्र और परिवार की प्राप्ति की तारीख से पन्द्रह दिन के अग्रिम, अध्यक्ष के निदेश के अधीन परिवार की एक प्रति उस समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार को भेजी जाएगी जिसके विरुद्ध विनियम 3 के

अधीन परिवार किया गया है। ऐसी प्रति के साथ ही एक सूचना देकर यथास्थिति, समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार से इस बाबत कारण बताने की अपेक्षा की जाएगी कि अधिनियम की धारा 14 के अधीन कार्रवाई क्यों न की जाए :

परन्तु समूचित मामलों में अध्यक्ष, ऐसी सूचना के जारी किए जाने के लिए समय में वृद्धि, स्वविवेकानुसार कर सकेगा :

परन्तु यह और कि यदि अध्यक्ष की यह राय है कि कोई जांच करने के लिए कोई पर्याप्त कारण नहीं है तो वह ऐसे समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या श्रमजीवी पत्रकार को कारण बताने की सूचना जारी न करने का विनिवृत्त कर सकता है। अध्यक्ष परिषद् के भ्रष्टाचार अधिवेशन में "कारण बताओ" सूचना जारी न करने में विनिवृत्त करने के कारण बताएगा और परिषद् ऐसे आवेदन पारित कर सकेगी जैसे वह ठीक समझे।

(2) उक्त उप-विनियम (1) के अधीन जारी की गई सूचना संबंधित समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या श्रमजीवी पत्रकार को रजिस्ट्रीकृत रसीदों डाक द्वारा, परिवार में बताए गए पते पर, भेजी जाएगी।

6. लिखित कथन फाइल करना—(1) जिस समाचारपत्र, समाचार अधिकरण, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार के विरुद्ध परिवार किया गया है, वह विनियम 5 के अधीन परिवार की प्रति या सूचना तामील होने की तारीख से चौदह दिन के भीतर या ऐसे अतिरिक्त समय के भीतर जो अध्यक्ष इस बाबत अनुमत करें, परिवार के उत्तर में कोई लिखित कथन प्रस्तुत कर सकेगा।

(2) लिखित कथन प्राप्त होने पर उससे एक प्रति परिवारी को, उसकी जानकारी के लिए, भेजित की जाएगी।

(3) परिवार या लिखित कथन प्राप्त होने के पश्चात्, अध्यक्ष यदि यह आवश्यक समझता है तो, ऐसे किसी विषय के स्पष्टीकरण के लिए जो किसी परिवार या लिखित कथन से प्रकट हुआ है, यथास्थिति, परिवारी से या प्रत्यर्थी समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या श्रमजीवी पत्रकार से कोई अतिरिक्त जानकारी मांग सकेगा और ऐसा करते समय वह ऐसे दस्तावेज या अन्य कथन भी मांग सकेगा जैसे वह आवश्यक समझे। उसके द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज और कथन अभिलेख के भाग रूप होंगे और वे जांच के समय समिति के समक्ष रखे जाएंगे।

7. अतिरिक्त विशिष्टियां आवेदक संग्राम की शक्ति—समिति, परिवार और लिखित कथन पर विचार करने के पश्चात् मामले की विषयवस्तु से सुसंगत ऐसी अतिरिक्त विशिष्टियां या दस्तावेज, दोनों पक्षकारों से या किसी पक्षकार से, मांग सकेगी जो वह आवश्यक समझे।

8. ऐसे परिवार को नामंजूर करना जिसमें पहले जांच की जा चुकी है—(1) यदि परिवार में जांच करने के दौरान किसी समय समिति को यह प्रतीत होता है कि परिवार को विषयवस्तु सारन, बढ़ी है या उसके अन्तर्गत आ जाती है तो किसी ऐसे पूर्ववर्ती परिवार की भी जिस पर परिषद् ने इन विनियमों के अधीन विचार किया था, तो समिति परिवारी की, यदि वह चाहता है तो, सुनवाई करेगी, और यदि समिति आवश्यक समझती है, तो, यथास्थिति, समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार की भी सुनवाई करेगी और अपनी सिफारिश परिषद् को करेगी तथा परिषद् ऐसे आदेश कर सकेगी जैसे वह आवश्यक समझे और वे पक्षकारों को सम्यक रूप से संसृजित किये जाएंगे।

9. समिति द्वारा जांच.—मृतवाह का समय, तारोख तथा स्थान की सूचना, परिवारी तथा यथास्थिति, समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक तथा श्रमजीवी पत्रकार को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा दी जायेगी। समिति के समक्ष जांच के दौरान पत्रकार अपने विषय के समर्थन में, सुसंगत साक्ष्य, मौखिक या दस्तावेजी, प्रस्तुत कर सकेंगे तथा अपनी बात कह सकेंगे।

(2) जांच की समाप्ति पर, समिति परिवार में अस्तित्वपूर्ण प्रतिक्रियाओं पर कारणों सहित अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट वेगी और मामले का अभिलेख परिषद् को भेजेगी।

10. परिषद् का विनिश्चय.—(1) परिषद् मामले का अभिलेख देखने के बाद अपना विनिश्चय देते हुए आदेश पारित करेगी या समिति की ओर आगे ऐसी जांच जैसी परिषद् आवश्यक समझे, करने के लिये मामला हाफस भेज सकेगी तथा उसकी रिपोर्ट प्राप्त होने पर मामला निपटा सकेगी।

(2) प्रत्येक मामले, उपस्थित तथा परिषद् के मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से अधिष्ठित किया जायेगा और मत बराबर होने पर, अध्यक्ष का निर्णायक मत होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

(3) मामले में परिषद् का आदेश पत्रकारों को लिखित रूप में सूचित किया जायेगा।

11. पत्रकारों की उपस्थिति—इन विनियमों के अधीन किसी जांच में, सम्पादक, समाचार एजेंसी या अन्य श्रमजीवी पत्रकार या सरकार सहित कोई प्राधिकारी, या सम्पादक द्वारा समाचारपत्र, जिसके विरुद्ध परिवार किया गया है, व्यक्तिगत रूप में या, यथास्थिति समिति द्वारा परिषद् की अनुमति से, काउन्सेल या सम्पत्तः प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित हो सकेगा।

12. सदस्यों की, कुछ मामलों में विचारविमर्श करने तथा मत देने संबंधी शक्ति पर निर्बंधन—समिति का कोई भी सदस्य तथा परिषद् का कोई भी सदस्य किसी ऐसे परिवार पर, जो समिति या परिषद् के अधिवेशन में विचारार्थ पेश है, हो रहे विचार-विमर्श में उस दशा में न भाग ले सकेगा, और न मत दे सकेगा जब वह ऐसे मामले में व्यक्तिगत रूप से संबंधित है या जिसमें उसका या उसके धर्मोपाचार का प्रत्यक्ष हित है, या जिसमें वह दुष्कृत की ओर से वृत्तिक रूप में या, यथास्थिति, किसी समाचारपत्र, समाचार एजेंसी, सम्पादक या अन्य श्रमजीवी पत्रकार के अधिकारी या प्रतिनिधि के रूप में हित रखता है।

13. स्वप्रेरणा से कार्रवाई करने की शक्ति—अध्यक्ष, किसी भी ऐसे मामले के संबंध में जो अधिनियम की धारा 14(1) के अन्तर्गत आता है या अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत आने वाले किसी भी मामले से संबंधित है या उसके बारे में है, स्वप्रेरणा से, यथास्थिति सूचना जारी कर सकेगा या कार्रवाई कर सकेगा और तब नियम 4 के प्रागे इन नियमों में विहित प्रक्रिया का अनुसरण उन्नी प्रकार किया जायेगा जिस प्रकार कि विनियम 3 के अधीन परिवार पर में किया जाता है।

14. धारा 13 के अधीन परिवारों के बारे में प्रक्रिया—अधिनियम की धारा 14(1) के अधीन परिवारों के बारे में इन नियमों द्वारा विहित प्रक्रिया, जहां तक हो, उन परिवारों तथा सम्पादकों को भी लागू होगी जो धारा 13 के उपबन्धों के अन्तर्गत आने वाले किसी विषय के संबंध में परिषद् प्राप्त करें।

15. इन विनियमों में जिन मामलों की बाबत उपबन्ध नहीं किया गया है उनके बारे में प्रक्रिया—परिषद् तथा समिति को किसी भी ऐसे मामले के, जिसकी बाबत इन विनियमों में कोई उपबन्ध नहीं किया गया है या अप्रयुक्त उपबन्ध किया गया है, बारे में अपने विनियम और प्रक्रिया बनाने की शक्ति है और उपयुक्त मामलों में जांच बन्द करने में करने की भी शक्ति है।

बो.पी.० मलिक; सचिव

F. No. 25/1/79-PCI.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of Section 26 of the Press Council Act, 1978 (37 of 1978), and all other powers thereunto enabling, the Press Council of India hereby makes the following Regulations namely :—

1. Short Title and Commencement.—(1) These Regulations may be called the Press Council (Procedure for Inquiry) Regulations, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—Unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Press Council Act, 1978 (37 of 1978)

(b) "Committee" means the Inquiry Committee constituted by the Council under Section 8(1) of the Act for the purpose of inquiry into complaints under Sections 13(2) and 14(1) of the Act;

(c) "Council" means the Press Council of India constituted under the Act;

(d) "Complainant" means a person or authority making a complaint to the Council regarding a newspaper, news agency, Editor or other working journalist, in the case of complaints under Section 14(1) of the Act, and with regard to complaints relating to other matters, means a person making a complaint to the Council in respect of any matter which the Council has jurisdiction to entertain, examine and pronounce its views upon, and

(e) "Matter" means an article, news-item, news-report, or any other matter which is published by a newspaper or transmitted by a news agency by any means whatsoever and includes a cartoon, picture, photograph, strip or advertisement which is published in a newspaper.

3. Contents of complaint in respect of a newspaper, news agency, editor or other working journalist under Section 14(1) of the Act.—(1) Where a person makes a complaint to the Council in respect of the publication or non-publication of any matter in any newspaper or news agency, under Section 14(1) of the Act he shall—

(a) furnish the name and address of the newspaper, news agency, editor or other working journalist against which or whom the complaint is preferred and in cases where the complaint relates to the publication of matter in a newspaper or to the transmission by a news agency, forward along with the complaint a cutting of the matter complained of in original and such other particulars as are relevant to the subject-matter of the complaint; and where the complaint is in respect of non-publication of matter, the original or a copy of the matter, the non-publication of which is complained of;

(b) state in what manner the publication or non-publication of the matter complained of is objectionable within the meaning of Section 14(1) of the Act;

(c) before filing the complaint before the Council, draw the attention of the newspaper news agency, editor or other working journalist concerned, to the matter appearing in the newspaper etc. or to the non-publication thereof which, in the opinion of the complainant, is objectionable and he shall also furnish to the newspaper, news agency, editor or the working journalist, as the case may be, the grounds for holding such opinion. The complainant shall along with the complaint, enclose a copy of the letter written by him to the newspaper, news agency, editor or other working journalist together with a copy of the reply, if any, received by him, provided that the Chairman may in his discretion waive this condition;

(d) In cases where the complaint is that an editor or a working journalist has committed any professional misconduct, other than by way of the publication or non-publication of any matter in a newspaper, the complainant shall set out clearly in detail the facts which according to him justify the complaint and the provisions of clause (c) above shall also apply to such complaints.

(e) In every case place all other relevant facts before the Council; and

(f) (i) In the case of a complaint relating to the publication or non-publication of any matter in respect of a newspaper or news agency the same shall be lodged with the Council within the following periods of its publication or non-publication :—

A. Dailies, News agencies and Weeklies — within 2 months

B. In all other cases — within 4 months

Provided that a relevant publication of an earlier date may be referred to in the complaint.

(ii) In the case of a complaint against an editor or working journalist under clause (d) above, the same shall be lodged within 4 months of the misconduct complained of.

Provided that the Council may, if satisfied that the complainant has acted promptly, but that the delay in filing the complaint within the period prescribed under sub-clause (i) or sub-clause (ii) of Regulation 3 (1) (f), has been caused by reason of the time taken to comply with the condition laid down in sub-clause (c) supra or on account of other sufficient cause, condone the delay and entertain the complaint. The power of condonation shall be exercised by the Chairman, subject to the approval of the council.

(2) The complaint while presenting the complaint shall at the foot thereof make and subscribe to a declaration to the effect :

(i) that to the best of his knowledge and belief he has placed all the relevant facts before the Council and that no proceedings are pending in any Court of Law in respect of any matter alleged in the complaint;

(ii) that he shall inform the Council forthwith if during the pendency of the inquiry before the Council any matter alleged in the complaint becomes the subject-matter of any proceeding in a Court of Law.

4. Return of complaint.—(1) Where a complainant does not comply with the requirements of regulation 3, the Chairman may return the complaint asking the complainant to bring it in conformity with such requirements and re-present it within such time as he may fix in that behalf.

(2) The complainant shall be informed of the reasons for the return of the complaint.

5. Issue of notice.—(1) As soon as possible, and in any case not later than fifteen days from the date of receipt of a complaint, under the direction of the Chairman, a copy thereof shall be sent to the newspaper, news agency, editor or other working journalist against which or whom the complaint has been made, under regulation 3 along with a notice requiring the newspaper, news agency, editor or other working journalist, as the case may be, to shew cause why action should not be taken under Section 14 of the Act. Provided that in appropriate cases the Chairman shall have the discretion to extend time for the issuance of the notice.

Provided further that the Chairman may decide not to issue a notice to shew cause to the newspaper, news agency, editor or working journalist where, in his opinion, there is no sufficient ground for holding an inquiry. The Council at its next meeting shall be apprised by the Chairman of the reasons for his decision not to issue a "Show Cause" notice and it may pass such orders as it deems fit.

(2) The notice issued under sub-regulation (1) above shall be sent to the newspaper, news agency, editor or other working journalist concerned by registered post, acknowledgement due, at the address furnished in the complaint.

6. Filing of Written Statement.—(1) The newspaper, news agency, editor or other working journalist against which or whom the complaint is made may, within fourteen days from the date of service of the copy of the complaint and notice under regulation 5 or within such further time as may be granted by the Chairman in this behalf, submit a written statement in reply to the complaint.

(2) A copy of the written statement when received shall be forwarded to the complainant for his information.

(3) After receipt of the complaint or written statement, the Chairman may, if he considers necessary, call for any further information either from the complainant or the respondent newspaper, news agency, editor or working journalist, as the case may be, in order to clarify matters appearing in the complaint or written statement and in doing so, may call for such documents or further statements as he might consider necessary. All the documents and statements called for by him shall form part of the record and shall be placed before the Committee at the time of the inquiry.

7. Power to call for Additional Particulars etc.—The Committee may after considering the complaint and the written statement, call for such additional particulars or documents relevant to the subject-matter of the case as it may consider necessary from both the parties or either of them.

8. Rejection of Complaint of the same nature previously inquired into.—(1) Where at any time in the course of the inquiry into the complaint it appears to the Committee that the subject-matter of the complaint is substantially the same as, or has been covered by any former complaint dealt with by the Council under these regulations, the Committee shall hear the complaint, if he desires to be heard, and also if the Committee considers it necessary, the newspaper, news agency editor or other working journalist, as the case may be, and make its recommendation to the Council which may pass such order as may be considered necessary and the same shall be duly communicated to the parties.

9. Inquiry by the Committee.—(1) Notice of the time, date and place of hearing shall be served on the complainant as well as on the newspaper, news agency, editor and working journalist, as the case may be, and shall be sent by registered post, acknowledgement due. In the inquiry, before the Committee the parties shall be entitled to adduce relevant evidence oral or documentary, and make submission in support of their contentions.

(2) At the close of the inquiry the Committee shall make a report of its findings on the allegations contained in the complaint together with its reasons and submit the record of the case to the Council.

10. Decision by the Council.—(1) The Council shall after perusing the record of the case, pass orders giving its decision, or it may remit the case to the Committee for such further inquiry as the Council may deem necessary and after receipt of its report dispose of the case.

(2) Every case shall be determined by a majority of votes of the members of the Council present and voting, and in the event of the votes being equal, the Chairman shall have a casting vote and shall exercise the same.

(3) The order of the Council shall be communicated in writing to the parties to the case.

11. Appearance of Parties etc.—In any inquiry under these regulations, the editor, news agency or other working journalist, or any authority including Government, or the newspaper through its editor, against which or whom a complaint has been made may appear in person, or with the permission of Committee or the Council as the case may be, by a Council or a duly authorised representative.

12. Restriction on the power of members to discuss and vote in certain cases.—No member of the Committee shall vote or take part in discussion of, and no member of the Council shall vote or take part in the discussion of any complaint coming up for consideration as a meeting of the Committee or the Council if the case is one in which he is personally involved or has any direct or indirect interest by himself or his partner, or in which he is interested professionally on behalf, of a client or as an agent or representative for any newspaper, news agency, editor or other working journalist, as the case may be.

13. Power to take suo motu action.—The Chairman may suo motu issue notice or, as the case may be take action in respect of any matter which falls within the mischief of Section 14(1) of the Act or in respect of or relating to any matter falling under Section 13(2) thereof and thereupon the pro-

cedure prescribed by these regulations from regulation 5 onwards shall be followed as if it were a complaint under regulation 3.

14. Procedure in respect of complaints etc. under Section 13.—The procedure prescribed by these regulations in respect of complaints under section 14(1) of the Act shall apply, as far as may be, to complaints or representations received by the Council with regard to any subject falling within the provisions of Section 13.

15. Procedure in matters not provided for in these Regulations.—The Council as also the Committee shall have the power to regulate their own procedure in respect of any matter for which no provision or inadequate provision is made in these regulations and shall also have the power in appropriate cases to hold inquiries in camera.

V. P. MALIK, Secy.



